सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन को बदलनी होगी लोक नीति

पटना (एसएनबी)। देश के मौजूदा सामाजिक-आर्थिक हालात से जुड़े मुद्दे पर विचार विमर्श के दौरान ये बातें निकल कर आईं कि सामाजिक-आर्थिक बदलाव के लिए लोक नीति बदलनी होगी। सेंटर फॉर सिविल सोसाइटी की ओर से शनिवार को स्थानीय एक होटल में लोक नीति पर आयोजित कार्यशाला में कई वरिष्ठ पत्रकारों ने भाग लिया।

▶ सही लोक नीति से तय हो सकते हैं कई मुद्दे

कार्यशाला में शिक्षा, रहन-सहन, प्रशासन, पर्यावरण एवं आर्थिक स्वतंत्रता पर चर्चा शुरू होने के पूर्व वरिष्ठ पत्रकार स्वयं प्रकाश ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। सेंटर फॉर सिविल सोसाइटी के पार्थ जे शाह ने कहा कि लोक नीति बहुत बड़ा मुद्दा है। इस संबंध में उन्होंने नीतिं, लोक नीति और ठोस लोक नीति के बारे में विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि सही लोक नीति से कई मुद्दे तय हो सकते हैं। 'निदान' संस्था के अरविंद सिंह ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की आर्थिक आजादी और आर्थिक सशक्तीकरण पर बल देते हुए कहा कि असंगठित क्षेत्र में महिलाओं की संख्या पचास प्रतिशत है। बिहार में 94.7 प्रतिशत मजदूर असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं। पटना विश्वविद्यालय के प्रो. नवल किशोर चौधरी ने कहा कि भूमि सुधार राष्ट्रीय एजेंडा से गायब हो गया है। रोजगार की व्यवस्था गरीबी उन्मूलन का जरिया है। मनरेगा की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक रीलिफ वर्क है। इस स्कीम में लूट के खिलाफ आवाज उठाने की वकालत उन्होंने की। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि भ्रष्टाचार के नाम पर मनरेगा को खतम करने की साजिश को नाकाम करना होगा।

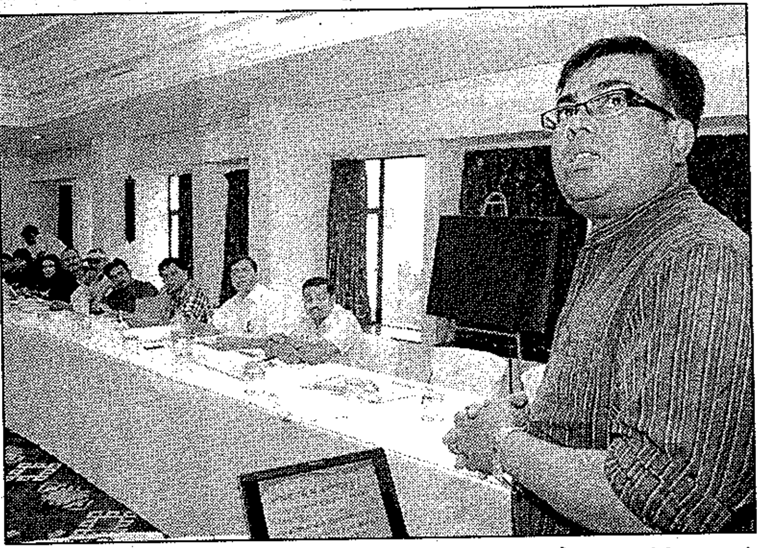

चर्चा : **कार्यशाला में विचार व्यक्त करते वक्ता।** फोटो : एसएनबी

कार्यशाला के अंत में कुछ सुझाव सामने आये। प्रतिभागियों की राय में सरकारी नीतियों के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। लोक नीति से संबंधी योजनाएं बनने में लोगों को जोड़ने की आवश्यकता महसूस की गई। बुनियादी जरूरतों के आकलन की योजना के साथ लोक नीति के प्रति जागरूकता अभियान चलाने की राय रखी गई। जनता को अपने प्रतिनिधियों को वापस बुलाने का अधिकार तथा जन प्रतिनिधियों के काम करने का मानक तय करने की बात भी सामने आई। कार्यशाला में वरिष्ठ पत्रकार एस ए शाद, निविड़ शिवपुत्र, मिथिलेश, प्रमोद कुमार, अंजिता सिन्हा, नाजिया नौशाद, एस एन श्याम, कौशलेन्द्र, मनोज राव सहित कार्यक्रम समन्वयक मनाली शाह भी मौजूद थीं।